भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1026

शुक्रवार 07 फरवरी, 2020 को उत्तर देने के लिए

आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स का उपयोग

1026 . श्रीमती सुमलता अम्बरीश :

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क क्या सरकार ने विशेषकर चिकित्सा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चालित रोबोट व्यवहार्यता संबंधी कोई अनुसंधान किया है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान एआई और मशीन लर्निंग संबंधी अनुसंधान पर कुल व्यय के अनुपात का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का भविष्य में इस पर अतिरिक्त अनुसंधान करने का प्रस्ताव है; और

(ड़) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(डा. हर्ष वर्धन)

(क) एवं (ख) : जी नहीं । परंतु, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चालित रोबोट की व्यवहार्यता की दृष्टि से अनुसंधान गातिविधियां शुरू करने वाली योजनाएं चल रही हैं।

(ग) : वित्त वर्ष 2019-20 के लिए विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के कुल बजट, 5501.03 करोड़ रुपए में से, 1 / 3 रा भाग यानी 1545.57 करोड़ रुपए अनुसंधान एवं विकास पर खर्च हुआ जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन अधिगम (एमएल) से संबंधित अनुसंधान पर भी खर्च शामिल है।

वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान राष्ट्रीय अंतर्विषयक साइबर भौतिक प्रणाली मिशन (एनएम-आईसीपीएस) के तहत, **123.00** करोड़ रुपये, अनुसंधान एवं विकास पर खर्च हुआ जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन अधिगम (एमएल) से संबंधित अनुसंधान पर भी खर्च शामिल है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए **9.74** करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

(घ) एवं (ड़): डीएसटी के राष्ट्रीय अंतर्विषयक साइबर भौतिक प्रणाली मिशन (एनएम-आईसीपीएस) के तहत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से चलने वाले रोबोट और चिकित्सा क्षेत्र, अनुसंधान करने के लिए चिन्हित ध्यान केंद्रित क्षेत्रों में से एक है।

****